राजस्थान साहित्य अकादमी

'पं. जनार्दनराय नागर सम्मान', 'साहित्य–मनीषी', 'विशिष्ट साहित्यकार सम्मान' और 'अमृत सम्मान' हेतु प्रस्ताव आमंत्रित

राजस्थान साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2017–18 में 'पं. जनार्दनराय नागर सम्मान', 'साहित्य–मनीषी', 'विशिष्ट साहित्यकार सम्मान' और 'अमृत सम्मान' योजना के अन्तर्गत राजस्थान निवासी लेखकों से प्रस्ताव और विवरण पत्र आमंत्रित हैं–

1. **साहित्य–मनीषी सम्मान** – अकादमी का यह सर्वोच्च सम्मान है, जो राजस्थान निवासी साहित्यकारों को ही प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान उस मूर्धन्य साहित्यकार को प्रदान किया जाएगा जिसने निरन्तर 25 वर्षों तक अपने रचनात्मक योगदान से साहित्य को विस्तृत और विविध आयाम प्रदान किए हों तथा नये साहित्यिक मान और जीवन मूल्यों की सशक्त धारा प्रवाहित की हो और जिस लेखक के कम से कम 10 साहित्यिक ग्रन्थ प्रकाशित हों। साहित्य–मनीषी सम्मान की राशि 2.51 लाख रु. है।
2. **पं. जनार्दनराय नागर सम्मान** – यह सम्मान राजस्थान निवासी साहित्यकारों को ही प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार उस मूर्धन्य साहित्यकार को प्रदान किया जाएगा जिसने अनवरत अपने सम्पूर्ण रचनात्मक योगदान से साहित्य को विस्तृत एवं विविध आयाम प्रदान किए हों तथा साहित्य में नये मान व जीवन मूल्यों की स्थापना और सशक्त धारा प्रवाहित की हो। इस सम्मान की राशि 1.00 लाख रु. है।
3. **विशिष्ट साहित्यकार सम्मान** – अकादमी का यह सम्मान राजस्थान निवासी साहित्यकारों को ही प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान उन मूर्धन्य साहित्यकारों को प्रदान किया जाएगा, जिन्होंने निरन्तर 10 वर्षों तक अपने रचनात्मक योगदान से साहित्य को विस्तृत और विविध आयाम प्रदान किए हों तथा नये साहित्यिक मान और जीवन मूल्यों की सशक्त धारा प्रवाहित की हो और जिन लेखकों के कम से कम 05 साहित्यिक ग्रन्थ प्रकाशित हों। विशिष्ट साहित्यकार सम्मान की राशि 51,000/– रु. है।
4. **अमृत सम्मान** – यह सम्मान राजस्थान निवासी साहित्यकारों को ही प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान उन साहित्यकारों को जिनकी आयु 75 वर्ष से अधिक है और जिन्हें अभी तक अकादमी से कोई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त नहीं हुआ है और जिनका (1) हिन्दी भाषा साहित्य, संस्कृति में उल्लेखनीय योगदान है। (2) जिन्होंने हिन्दी पत्रकारिता के माध्यम से समाज में चेतना जगाने का कार्य किया है और (3) जिन साहित्यकारों ने शिक्षा और साक्षरता के माध्यम से भाषा, साहित्य, समाज और राष्ट्र की महत्त्वपूर्ण सेवा की है। अमृत–सम्मान की राशि 31,000/– रु. है।

अकादमी कार्यालय में उपर्युक्त प्रस्ताव भिजवाने की अंतिम तिथि **30 नवम्बर, 2017** है। इस संबंध में अकादमी की वेब साइट ूण्तेंनकतण्वतह या सचिव राजस्थान साहित्य अकादमी से भी संपर्क किया जा सकता है।

विशेष : राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत अकादमी की वार्षिक कार्य योजना 2017–18 के अन्तर्गत प्रसारित।

सचिव

साहित्य–मनीषी सम्मान नियम

1. 'साहित्य मनीषी' सम्मान राजस्थान निवासी साहित्यकारों को ही प्रदान किया जाएगा। राजस्थान निवासी से तात्पर्य उस साहित्यकार से होगा–

   (क) जो राजस्थान का मूल निवासी हो और राजस्थान में निवास कर रहा हो। अथवा,

   (ख) जो राजस्थान में सम्मान वर्ष से पूर्व कम से कम दस वर्षों से निवास कर रहा हो।

2. 'साहित्य मनीषी' सम्मान उन मूर्धन्य साहित्यकारों को प्रदान किया जाएगा जिन्होंने निरन्तर 25 वर्षों तक अपने रचनात्मक योगदान से साहित्य को विस्तृत एवं विविध आयाम प्रदान किए तथा नए मान व जीवन मूल्यों की सषक्त धारा प्रवाहित की हो।

3. एक सरस्वती सभा अपने कार्यकाल में एक महानुभाव (साहित्यकार) को ही इस सर्वोच्च सम्मान (उपाधि) से समादृत कर सकेगी।

4. संचालिका की संस्तुति पर लब्ध प्रतिष्ठ लेखकों, समीक्षकों, साहित्येतिहास लेखकों तथा साहित्य–सेवियों का 'साहित्य मनीषी' के रूप में सरस्वती सभा चयन/अनुमोदन कर सकेगी। यह चयन/अनुमोदन उपस्थित सदस्यों के 3/4 बहुमत से होगा।

5. साहित्य–मनीषी सम्मान की राशि 2,51,000/– रु. होगी।

6. साहित्य मनीषी हेतु खुला प्रस्ताव आमंत्रित किया जायेगा।

++++++++++++++++++++

विशिष्ट साहित्यकार सम्मान नियम

1. 'विशिष्ट साहित्यकार सम्मान' राजस्थान निवासी साहित्यकारों को ही प्रदान किया जाएगा। राजस्थान निवासी से तात्पर्य उस साहित्यकार से होगा–

   (क) जो राजस्थान का मूल निवासी हो और राजस्थान में निवास कर रहा हो। अथवा,

   (ख) जो राजस्थान में सम्मान वर्ष से ठीक पूर्व कम से कम दस वर्षों से निवास कर रहा हो।

2 'विशिष्ट साहित्यकार सम्मान' उन मूर्धन्य साहित्यकारों को प्रदान किया जाएगा जिन्होंने निरन्तर 10 वर्षों तक अपने रचनात्मक योगदान से साहित्य को विशिष्ट एवं विविध आयाम प्रदान किए तथा नये मान व जीवन मूल्यों की सशक्त धारा प्रवाहित की हो।

3 अकादमी संचालिका प्रतिवर्ष 'विशिष्ट साहित्यकार सम्मान' का चयन करेगी।

4 'विशिष्ट साहित्यकार सम्मान' की राशि 51,000/– रु. होगी।

++++++++++++++++++++

पं. जनार्दनराय नागर सम्मान नियम

1. **पं. जनार्दनराय नागर** सम्मान राजस्थान निवासी साहित्यकारों को ही प्रदान किया जाएगा। राजस्थान निवासी से तात्पर्य उस साहित्यकार से होगा –

   (क) जो राजस्थान का मूल निवासी हो और राजस्थान में निवास कर रहा हो। अथवा,

   (ख) जो राजस्थान में सम्मान वर्ष से पूर्व कम से कम दस वर्षों से निवास कर रहा हो।

2. **पं. जनार्दनराय नागर** सम्मान उन मूर्धन्य साहित्यकार को प्रदान किया जाएगा जिसने निरन्तर 15 वर्षों तक अपने रचनात्मक योगदान से साहित्य को विस्तृत एवं विविध आयाम प्रदान किए हों तथा साहित्य में नए मान व जीवन मूल्यों की स्थापना और सशक्त धारा प्रवाहित की हो।

3. राजस्थान साहित्य अकादमी प्रतिवर्ष एक साहित्यकार को इस सम्मान से समादृत कर सकेगी।

4. प्रतिवर्ष दिये जाने वाले **पं. जनार्दनराय नागर सम्मान** का निर्धारण राजस्थान साहित्य अकादमी द्वारा गठित समिति द्वारा किया जाएगा।

5. यह सम्मान साहित्यकार के समग्र साहित्यिक अवदान पर दिया जाएगा।

6. **पं. जनार्दनराय नागर सम्मान की राशि 1,00,000/– रु.** होगी।

7. इस सम्मान चयन हेतु समिति का गठन अकादमी अध्यक्ष/संचालिका राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर किया जावेगा।

8 अकादमी में प्राप्त प्रस्तावों के साथ–साथ गठित समिति द्वारा भी स्व–विवेक से नाम शामिल कर उस पर विचार किया जा सकेगा।

9 समिति की अभिशंषा के उपरांत संचालिका के अनुमोदन के पश्चात् अध्यक्ष, राजस्थान साहित्य अकादमी द्वारा इस सम्मान की घोषणा की जा सकेगी।

++++++++++++++++++++

अमृत सम्मान नियम

1. 'अमृत सम्मान' राजस्थान निवासी साहित्यकारों को ही प्रदान किया जाएगा। राजस्थान निवासी से तात्पर्य उस साहित्यकार से होगा–

   (क) जो राजस्थान का मूल निवासी हो और राजस्थान में निवास कर रहा हो। अथवा,
   (ख) जो राजस्थान में सम्मान वर्श से ठीक पूर्व कम से कम दस वर्षों से निवास कर रहा हो।

2 'अमृत सम्मान' उन मूर्धन्य साहित्यकारों को प्रदान किया जाएगा जिनकी आयु 75 वर्ष से अधिक है और जिन्हें अभी तक अकादमी से कोई पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त नहीं हुआ है।

3 यह सम्मान उन साहित्यकारों को प्रदान किया जाएगा, जिनका हिन्दी भाषा, साहित्य, संस्कृति में उल्लेखनीय योगदान है।

4 यह सम्मान उन साहित्यकारों को प्रदान किया जाएगा, जिन्होंने हिन्दी पत्रकारिता के माध्यम से समाज में चेतना जगाने का कार्य किया है।

5 जिन साहित्यकारों ने शिक्षा और साक्षरता के माध्यम से भाषा, साहित्य, समाज और राष्ट्र की महत्त्वपूर्ण सेवा की है।

6 अकादमी संचालिका 'अमृत सम्मान' का चयन करेगी।

7 अमृत सम्मान' की राषि 31,000/– रु. होगी।

++++++++++++++++++++